सांध्य दैनिक

4PM

हजारों संबंध रखना कोई चमत्कार नहीं है। चमत्कार ये है कि आप एक ऐसा सम्बन्ध रखें जो तब भी आपके साथ खड़ा रहे जब हजारों आपके खिलाफ हों।
-ब्रह्माकुमारी शिवानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 155 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 12 जुलाई, 2023

पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय... 7 | यूपी की सियासत में रपटीली... 3 | मॉडल से रेप के आरोपी सपा नेता... 2

भाजपा के पूर्व सांसद संजय सेठ की अवैध बिल्डिंग को तोड़ने में हाथ क्यों कांप रहे हैं अफसरों के

कैंट में भी एक विवादित कोठी पर अमित शाह को ले गये थे संजय सेठ

- » जॉपलिंग रोड पर शालीमार एमराल्ड में अवैध रूप से करोड़ों के पेंट हाउस बना रखे हैं शालीमार ग्रुप ने
- » एलडीए से आठ फ्लोर का नक्शा पास कराकर नौवें फ्लोर पर पेंट हाउस बना डाले शालीमार ने
- » गरीबों के आशियाने पर बुल्डोजर चलाने वाले एलडीए की हिम्मत नहीं हो रही शालीमार की तरफ देखने की भी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

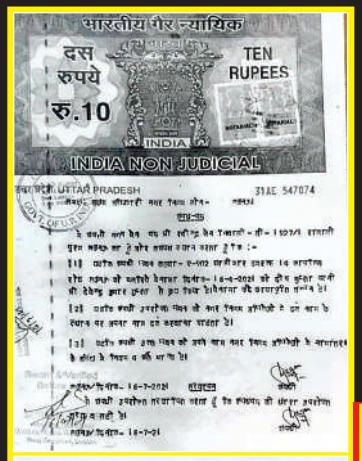

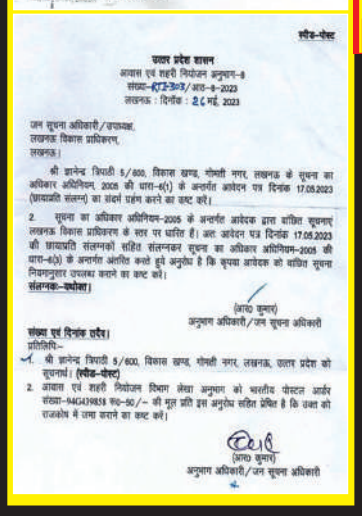

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में अगर आप किसी भी जमीन पर थोड़ा भी अवैध निर्माण कराते हैं तो एलडीए का बुल्डोजर पलक झपकते ही आपकी पूरी बिल्डिंग को तहस नहस कर देगा। मगर आप संजय सेठ की तरह भाजपा के पूर्व सांसद हैं तो आपको पूरी छूट है कि आप अपनी बिल्डिंग में जितना चाहें उतना अवैध निर्माण करवा लें। एलडीए के अफसरों की हिम्मत नहीं है कि वे ऐसी किसी बिल्डिंग में अवैध निर्माण तोड़ना तो अलग बात है ऐसे अवैध निर्माण की तरफ वे झांक भी लें। शालीमार ग्रुप लगातार कानून को ठेंगे पर रखकर काम कर रहा है और किसी की हैसियत नहीं है कि वो इस काम को रोक दे।

लखनऊ के वेहद पॉश इलाके जॉपलिंग रोड पर शालीमार ग्रुप ने एक अलीशन बिल्डिंग बनायी है जिसका नाम शालीमार एमराल्ड रखा है। इस बिल्डिंग के फ्लैटों की कीमत करोड़ों रुपया है। इस भूखंड का क्षेत्रफल 4634. 38 वर्ग मीटर है। इसका मानचित्र परमिट संख्या-2565 के अनुसार स्वीकृति किया गया, और इसमें 9245.58 वर्ग मी. एफएआर स्वीकृत किया गया। यह मानचित्र दिनांक 16 फरवरी 2009 को स्वीकृति किया गया। तथा इसमें 72 फ्लैट बनाने की अनुमति दी गयी थी।

जिस समय यह अनुमति दी गयी उस समय प्रदेश में मायावती की सरकार थी और शालीमार ग्रुप के पार्टनर खालिद मसूद मायावती के दाहिने हाथ नसीमुद्दीन सिद्दीकी के बेहद करीबी हुआ करते थे। लिहाजा उन्होंने नियमों को ताक पर रखकर इस भवन में चार पेंट हाउस बना डाले जबकि नक्शे के अनुसार इस भवन में कोई भी पेट हाउस न तो स्वीकृत था और न ही पेंटहाउस बन सकता था। मगर, सभी लोग आंखें बंद किये रहे और शालीमार इमराल्ड में यह अवैध बिल्डिंग बनती चली गई। यह विवाद कुछ दिनों पहले शुरू हुआ जब एलडीए के एक अवर अभियंता ने संजय सेठ को इस बिल्डिंग में अवैध निर्माण को लेकर नोटिस भेज दिया और कहा कि वे तत्काल अपना स्पष्टीकरण जारी करें वरना उनका अवैध निर्माण तोड़ दिया जायेगा। चूंकि सांसद बनने के बाद संजय सेठ ने खुद को इस कंपनी से कानूनी रूप से अलग कर लिया था लिहाजा उन्होंने अशोक कीलाट लगाये अपने लेटर पैड पर एलडीएको लगभग धमकाने की स्टाइल में लिख दिया कि मुझे ये नोटिस क्यों दिया गया जबकि मैं इस भवन का मालिक ही नहीं हूं। पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर शिकायत की कि पूर्व सांसद अशोक की लाट लगे पैड का इस्तेमाल नहीं कर सकता और ऐसा करने पर उसे दो साल की सजा हो सकती है। साथ ही जिस समय यह भवन बना उस समय संजय सेठ शालीमार के पार्टनर थे लिहाजा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाय।

बताया जाता है कि इसके बाद मामले को रफा-दफा करने के लिए शालीमार समूह ने एलडीए में विहित प्राधिकारी के यहां वाद दायर कर दिया और 11 जनवरी 2023 को शमन के लिए आवेदन भी कर दिया जिससे यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाय, और हुआ भी यही कि मामला ठंडे बस्तेमें चला गया और किसी को यह अवैध निर्माण तोड़ने का शाहस नहीं हुआ। इसी प्रकार कैंट इलाके में भी एक विवादित कोठी पर संजय सेठ गृहमंत्री अमित शाह को ले गये थे और खालिद मसूद से उनका सम्मान करा दिया था। इसके बाद लोगों ने अमित शाहको बताय कि खालिद मसूद के स्वामित्व वाले बनारस ग्लास हाउस में काम कर रहा एक युवक कैसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिये काम कर रहा था। इसके बाद अमित शाह बहुत नाराज हुए और संजय सेठ का दुबारा राज्यसभा में जाने का रास्ता बंद हो गया।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

एक नोटिस भेजने पर ही धमका दिया एलडीए के अफसरों को संजय सेठ ने

इन लोगों के बने हैं करोड़ों के अवैध पेंट हाउस

बताया जाता है कि शालीमार इमराल्ड में एसएएस होटल एण्ड प्रा.लि. के नाम बी- 902 नाम का पेंट हाउस है। बी-901 राज्यसम्पत्ति विभाग के चर्चित अधिकारी राजीव तिवारी की पत्नी रूपा तिवारी के नाम आवंटित है। ए-901 पेंट हाउस के मालिक नुसरत नासिर अली दुर्रानी हैं। ए-902 के मालिक गगन जैन हैं। ये सभी पेंट हाउस करोड़ों की कीमत के हैं और ये सभी अवैध हैं और इन्हें नियमानुसार तोड़े जाने चाहिए।

संजय सेठ की कंपनी का भी अवैध पेंट हाउस है इस बिल्डिंग में

मॉडल से रेप के आरोपी सपा नेता को गिरफ्तार नहीं कर सकी पुलिस, अब कुर्की की तैयारी

» अलीगढ़ की मॉडल ने एक माह पहले की थी पुलिस से शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अलीगढ़। अलीगढ़ में दुष्कर्म के आरोपी सपा नेता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुए एक हफ्ते से ऊपर हो गया पर आज तक पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी है। अब पुलिस उसकी कुर्की की तैयारी में लगी है। सपा नेता का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के थाना क्वार्सी में आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। यह वारंट पुलिस के अनुरोध पर जारी किया गया था। दरअसल, सपा नेता पर यह पूरी कार्यवाही एक माडल द्वारा दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज करने के बाद हो रही है।

शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार वह लोक लाज के कारण उन दिनों शिकायत नहीं कर सकी और चुप रह गई थी।

पीड़िता ने बताया कि आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर यहीं नहीं रुका और उसको जबरन घुमाने फिराने ले जाने लगा था। इसी दौरान मॉडल की आरोपी ने कई प्राइवेट फोटोज अपने मोबाइल में ले लिए, मॉडल इन सभी चीजों से परेशान होकर मुंबई जाकर रहने लगी और अपना काम करने लगी। किसी प्रकार वहां का एड्रेस निकालकर आरोपी मुंबई पहुंच गया और वहां भी जबरन उसने फोटो वायरल करने की धमकी देकर रेप किया। पीड़ित मॉडल उस घटना के बाद फिर से लौटकर अलीगढ़ अपने घर आ गई। क्योंकि मुम्बई में वह अकेली रहती थी।

फेसबुक के जरिए हुआ था संपर्क

घटना के अनुसार नगर निगम की पूर्व ब्रांड एंबेसडर और एक मॉडल ने समाजवादी पार्टी के नेता के खिलाफ रेप की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया है। अपनी शिकायत में मॉडल ने बताया है कि समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के पूर्व महानगर अध्यक्ष कौशल दिवाकर के साथ फेसबुक के जरिए संपर्क हुआ था। जिसके बाद चैट्सएप पर बातें शुरू हुईं। वक्त के साथ आरोपी ने नजदीकियां बढ़ाई और 20 अप्रैल 2022 की शाम को अपनी सफारी कार में बिठाकर कोल्ड ड्रिंक पिलाई। शिकायतकर्ता मॉडल के अनुसार कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद उसे होश नहीं रहा और इसी दौरान उसके साथ उसकी बिना मर्जी और सहमति के रेप की घटना को अंजाम दिया गया।

पीड़िता व उसके परिवार को भी दी थी धमकी

पीड़िता शिकायत में आरोप लगाया था कि आरोपी सपा नेता कौशल दिवाकर उसे व उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। इन्हीं सभी चीजों से तंग आकर अब मॉडल ने पुलिस की चौखट पर न्याय की गुहार लगाई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना क्वार्सी में आईपीसी की धारा 323, 506, 328 और रेप की धारा 376 में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्रवाई शुरू करी थी। हालांकि अभी तक शिकायतकर्ता मॉडल ने कैमरे पर कोई भी बयान नहीं दिया है। सीओ अशोक सिंह ने बताया कि एक महिला द्वारा एक साल पुरानी घटना बताकर एक युवक पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया गया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर मामले की जांच की जा रही है।

आपदा पीड़ितों को एक-एक लाख देगी सरकार : सुक्खू

» बूढ़े व बच्चों को बचाने के लिए हेलीकॉप्टर सेवा होगी शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार राहत मैन्युअल में बदलाव करेगी। आपदा प्रभावितों को अब एक-एक लाख रुपये की राहत राशि दी जाएगी। पहले यह राशि 5000 रुपये दी जाती थी। नुकसान का अलग से मुआवजा दिया जाएगा। सैंज में बाढ़ प्रभावित लोगों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने जान-माल के नुकसान पर संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करवाएगी। उन्होंने एक करोड़ रुपये की त्वरित राहत राशि जारी करने की भी घोषणा की।

इसके लिए छह हेलिकॉप्टर उपलब्ध करवाए गए हैं। सीएम ने कहा, चंद्रताल में फंसे लोगों के बचाव के लिए पहली हेलिकॉप्टर सेवा मंगलवार सुबह शुरू की गई, लेकिन

खराब मौसम के कारण इसमें देरी हुई है। शाम की फिर हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी और सात लोगों को सुरक्षित भुंतर पहुंचाया गया। प्रशासन को बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चों और रोगियों को चंद्रताल से निकालने के निर्देश दिए गए हैं।

हिमाचल में फंसे लोगों को वापस लाने का करें प्रबंध : योगी

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिमाचल प्रदेश सरकार के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर वहां फंसे प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षित वापसी के संबंध में सभी जरूरी प्रबंध करने का निर्देश दिया है।

दीवारों से नहीं, डॉक्टरों से बनते हैं मेडिकल कॉलेज : अखिलेश यादव

» बोले-मेडिकल छात्रों का भविष्य दांव पर

» भाजपा राज में बन रहे हैं घोटाला एक्सप्रेस-वे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार को समझना चाहिए कि मेडिकल कॉलेज दीवारों से नहीं, डॉक्टरों से बनते हैं। भाजपा सरकार के एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज के जुमले का सबसे बड़ा उदाहरण राममनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज के भटकते छात्र हैं, जो नेशनल मेडिकल काउंसिल से मान्यता न मिल पाने के कारण भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि सपा काल में बड़ी सोच के साथ शुरू हुए लखनऊ के राम मनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज को भाजपा सरकार नेशनल मेडिकल काउंसिल से मान्यता तक नहीं दिलवा रही है। भाजपा डॉक्टरों को अपने अपने राजनीतिक विद्वेष का शिकार न बनाए।

ये मेडिकल छात्र और देश के स्वस्थ भविष्य का सवाल है। उन्होंने कहा कि भाजपाराज में हो रहे कामों में घोटाला जरूर मिलेगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे दो बार धंस चुका है। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे धंस गया है। यही स्थिति बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की भी है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे दोनों का निर्माण मानकों के अनुसार नहीं है।

लॉयन सफारी में शावकों की मौत के जिम्मदारों को सजा मिले

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इटावा लॉयन सफारी में 3 शावकों की दुखद मौत की जिम्मेदारी तत्काल निर्धारित हो। अनुभवहीन नेतृत्व को बदला जाए, क्योंकि गर्भावस्था की पूर्व सूचना के बाद भी देखरेख में लापरवाही बरती गई। न तो प्रक्रिया का पालन किया गया और न आईवीआरआई, बरेली व सेंट्रल जू अथॉरिटी को बताकर पोस्टमॉर्टम व अंतिम क्रिया हुई। 35 करोड़ पौधरोपण पर भी सवाल उठाए हैं।

बंगाल की जनता के दिल में सिर्फ टीएमसी

» ममता बनर्जी ने पंचायत चुनावों में जीत पर दिया धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पंचायत चुनाव में टीएमसी की जीत के लिए बंगाल के लोगों को धन्यवाद दिया है। टीएमसी अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि ग्रामीण बंगाल में टीएमसी आगे है। मैं जनता का टीएमसी के प्रति प्यार देख अभिभूत हूं। मैं जनता के स्नेह और समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करती हूं। इस चुनाव से साफ हो गया है कि बंगाल की जनता के दिल में सिर्फ टीएमसी ही रहती है।

पश्चिम बंगाल में आठ जुलाई को पंचायत समिति के चुनाव हुए थे। 11 जुलाई को सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई थी, जो अब भी जारी है। मंगलवार रात 11.30 बजे तक ग्राम पंचायत की 63,229 सीटों में से टीएमसी ने 30,391 सीटें हासिल कर ली है। वहीं भाजपा सिर्फ 8,239 सीटें जीत सकती है। टीएमसी 1,767 सीटों पर आगे है तो वहीं भाजपा मात्र 447 सीटों पर आगे है। सीपीआई (एम) अबतक 2,534 सीट ही जीत सकी है और कांग्रेस मात्र 2,158 सीटें जीत पाई है। सीपीआई (एम) 237 सीटों पर आगे है जबकि, कांग्रेस 151 सीटों पर ही आगे है। पंचायत समिति की 9,728 सीटों में से टीएमसी 2,612 सीट चीत चुकी है। वहीं 627 सीटों पर टीएमसी ने बढ़त बना ली है। वहीं, भाजपा अबतक 275 सीटें जीत सकी है और 149 सीटों पर आगे है। सीपीआई (एम) सिर्फ 63 सीटों पर जीत दर्ज कर सकी है और 53 सीटों पर आगे है। कांग्रेस सिर्फ 50 सीटें ही अपने नाम कर पाई है और 26 सीटों पर आगे है।

ग्राम पंचायत की आधी से ज्यादा सीटों पर टीएमसी का कब्जा

जिला परिषद में भी टीएमसी आगे

ग्राम पंचायत और पंचायत समिति के अलावा जिला परिषद की 928 सीटों पर भी मतदान हुए थे। मतगणना के दौरान रात 11.30 बजे तक टीएमसी 88 जिला परिषद सीटें जीत चुकी है। इसके साथ ही 163 सीटों पर पार्टी ने बढ़त बना रखी है। जबकि, सीपीआई (एम) चार, कांग्रेस दो और भाजपा 13 सीटों पर आगे है। सीएम ममता बनर्जी के माना का घर बीरभूम जिले में है और गांव का नाम है कुसुंबा। यहां से भाजपा दो सीटों पर जीत दर्ज की है। बूथ नंबर 31 नंबर से भाजपा की अर्चना हाजरा और 32 नंबर से गंगाधर हाजरा विजयी हुए हैं। मुर्शिदाबाद में एआईएमआईएम को जीत के साथ असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने बंगाल के पंचायत चुनाव में अपना खाता खोल लिया है। पार्टी के प्रत्याशी ने दीवानसराय ग्राम पंचायत के बूथ नंबर 61 नंबर पर जीत हासिल की है।

यूपी की सियासत में रपटीली राहें

2024 लोकसभा चुनावी बिसात बिछना शुरू

» भाजपा विपक्ष में सेंध लगाने की फिराक में
» सपा ने भी बनाई रणनीति
» बसपा-कांग्रेस संगठन पर कर रहे कसरत
» विपक्ष के रुख पर नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूरे देश में सियासत में उथल-पुथल मची हुई है। ऐसे में यूपी कहां पीछे रहता। जहां राजनीति रग-रग में बसी है। ये जुमला पुराना हो गया कि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है अब तो यह शोर होने लगा है यूपी के बिना दिल्ली दूर ही है। इसलिए तो क्या सत्ता पक्ष क्या विपक्ष सब यूपी के ही सहारे दिल्ली की सियासी दूरी नाप लेना चाहते हैं। इसकी बाबत सत्ता में काबिज बीजेपी हो या मजबूत विपक्ष के रूप में योगी व मोदी सरकार को घेरने वाली सपा दोनों ही प्रमुख दल सहयोगियों की तलाश में जुटीं हैं। सहयोगी भी कम नहीं दोनों को ही उलझाए हुए हैं। खैर ये चूहा-बिल्ली की दौड़ 2024 चुनाव की तारीखों के ऐलान तक जारी रहेगी उसके बाद तो पत्ते खुल ही जाएंगे कि कौन किसके साथ जाता है।

गठबंधन के अपने-अपने समीकरण हैं। लोकसभा चुनाव से पहले सपा जहां राष्ट्रीय फलक पर मजबूत मौजूदगी का संदेश देना चाहती है, वहीं कांग्रेस यूपी में अपने दम पर खड़ा होना चाहती है। बाकी दल भी नफा-नुकसान का आकलन कर आगे बढ़ रहे हैं। जनादेश के जरिये जीत-हार से पहले सभी मानसिक जंग जीतने के प्रयास में जुटे हुए हैं। विपक्षी दलों की दूसरी बड़ी बैठक 17-18 जुलाई को बंगलुरू में होगी। जून में पटना में हुई पहली बैठक की मेजबानी जहां जदयू-राजद गठबंधन ने की थी, वहीं दूसरी बैठक की मेजबानी कांग्रेस कर रही है। पटना में तय हुआ था कि अगली बैठक 11-12 जुलाई को शिमला में होगी, लेकिन कई राजनीतिक व व्यावहारिक कारणों के चलते इस बैठक की तिथि आगे बढ़ाई गई। माना जा रहा है कि दूसरी बैठक में विपक्षी गठबंधन का नाम और उसके संयोजक का नाम तय हो सकता है। विपक्षी गठबंधन के कई सहयोगियों के इधर-उधर छिटकने की चर्चाएं इधर काफी गरम हैं, लेकिन माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में इस गठबंधन की मजबूत बुनियाद के रूप में सपा और कांग्रेस रहेंगे। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस हाईकमान का मानना है कि विपक्षी गठबंधन के पक्ष में बयार बहती हुई दिखी तो ऐन वक्त पर बसपा का साथ आना संभव हो सकता है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी कहते हैं कि वर्तमान में कांग्रेस सभी 80 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर रही है। भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए गठबंधन पर फैसला राष्ट्रीय नेतृत्व ही लेगा और तब जैसा हाईकमान का निर्देश होगा, उसका पालन किया जाएगा।

सपा अपनी ताकत दिखाने को तैयार

वर्ष 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव और वर्ष 2017 व 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा काफी मजबूत होकर उभरी है। भाजपा गठबंधन को कारगर चुनावी रणनीति बनाकर ही चुनौती दी जा सकती है। कांग्रेस यूपी में तो जमीन खो चुकी है, लेकिन उसने कर्नाटक और हिमाचल चुनाव जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक संदेश देने का काम किया है। वहीं, लगातार चार चुनाव हार चुकी सपा की कोशिश है कि वह अपने आधार वोट को यह भरोसा दिलाए कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी मजबूत विकल्प का हिस्सा है। यानी चुनाव में हार-जीत का फैसला होने से पहले

राजनीतिक पार्टियों के लिए मतदाताओं को अपनी मजबूती का अहसास कराना भी रणनीति का हिस्सा है। यही कारण हैं कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस और सपा नजदीक आते हुए दिख रहे हैं। सपा के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप कहते हैं कि हमारी पार्टी का मत प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। अगले लोकसभा चुनाव में गठबंधन के लिहाज से राष्ट्रीय प्रयासों का सपा भी हिस्सा है, जिसके परिणाम भी जल्द सामने आएंगे। लेकिन, इतना जरूर कह सकते हैं कि केंद्र में अगली सरकार के गठन की चाभी सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के हाथ में होगी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक व केशव मौर्य से मिले राजभर

उधर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मुलाकात की। मुलाकात के बाद राजभर ने कहा कि हमारी मुलाकात विकास कार्यों को लेकर हुई है। इसके पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से भी मिल चुका हूं। लोकसभा चुनाव में भाजपा से गठबंधन करने को लेकर राजभर ने कहा कि इसका फैसला अगस्त-सितंबर में भाजपा नेताओं के साथ बैठक करने के बाद लिया जाएगा। जुलाई में सुभासपा की बैठकें शुरू हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि सुभासपा सात अक्तूबर को पटना में होने वाली रैली में गठबंधन का एलान करेगी। राजभर ने कहा कि हमें दिल्ली की नहीं यूपी की राजनीति करनी है। उन्होंने सपा से गठबंधन पर कहा कि सुभासपा का गठबंधन सपा से ही नहीं बसपा और कांग्रेस से भी नहीं टिक सकता। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वो केवल खुद को सही मानते हैं। वो नहीं चाहते कि उनके अलावा प्रदेश में कोई दूसरा पिछड़ा नेता आगे बढ़े। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि राजभर व उनके विधायक हमारे पास विकास योजनाओं पर चर्चा करने के लिए आए थे। राजभर के राजग में शामिल होने पर उन्होंने कहा कि समय आने पर जो हमारे साथ आना चाहता है वो आ जाएगा।

> चूहा-बिल्ली की दौड़ 2024 चुनाव की तारीखों के ऐलान तक जारी रहेगी उसके बाद तो पत्ते खुल ही जाएंग कि कौन किसके साथ जाता है।

तैयारी में जुटे सियासी दल

लोकसभा चुनाव-2024 में मिशन 80 को पूरा करने के लिए यूपी की सभी पार्टियों ने तैयारी शुरू कर दी है। जहां सपा जिले-जिले में अपने बूथ के कार्यकर्ताओं को गांव-गांव भेज रही है वहीं बीजेपी भी घर-घर तक पहुंच रही है। बसपा ने भी अपने कॉडर को मजबूत करने में जुटी हुई है। उधर सत्ता पर काबिज भाजपा का शीर्ष नेतृत्व प्रदेश में पार्टी के मौजूदा सांसदों में से 20 से 30 फीसदी तक प्रत्याशी बदल सकता है। मोदी सरकार 2-0 के नौ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर चलाए जा रहे महाजनसंपर्क अभियान और पार्टी की ओर से कराए जा रहे सर्वे में सांसदों की जमीनी हकीकत सामने आने लगी है। भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सभी 80 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है।

भाजपा डाल रही जयंत चौधरी पर डोरे

लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय लोकदल के भाजपा से गठबंधन की चर्चा के बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि यदि जयंत चौधरी वैचारिक रूप से भाजपा के साथ आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में किस दल से गठबंधन करना है यह पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को तय करना है। केंद्रीय नेतृत्व का जो भी निर्णय होगा वह उसका स्वागत करेंगे। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने अभी अपना मत स्पष्ट नहीं किया है कि वह भाजपा के साथ जाएंगे या फिर सपा के साथ ही गठबंधन में रहेंगे। वहीं, भाजपा उन्हें अपने साथ आने का खुला निमंत्रण दे रही है। जयंत चौधरी को लेकर चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है। बीते दिनों उन्होंने ट्वीट किया था कि 'खिचड़ी, पुलाव, बिरयानी..जो पसंद है खाओ!' अपने दूसरे ट्वीट में जयंत ने लिखा, 'वैसे चावल खाने ही हैं तो खीर खाओ!' चर्चा है कि रालोद प्रमुख जयंत चौधरी लोकसभा चुनाव में भाजपा के पाले में खड़े हो सकते हैं। हालांकि जयंत कई बार यह कह चुके हैं कि उनका सपा के साथ गठबंधन है और पूरी तरह से मजबूत है। यहां तक कि उनकी पत्नी चारु ने भी यह कहा कि वह चवन्नी नहीं है जो पलट जाएं। बावजूद इसके चर्चाएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। जयंत ने खुद ही इस तरह की चर्चाओं को ट्वीट कर और हवा दी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बार-बार कार्यकाल बढ़ाना गैरकानूनी

मामले में सरकार का तर्क है कि संजय मिश्रा की जगह लेने के लिए अभी कोई दूसरा अफसर तलाश नहीं किया जा सका है। वे अभी मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामलों की निगरानी रख रहे हैं। ऐसे में नई नियुक्ति के लिए हमें थोड़ा और समय चाहिए। इस केस की सुनवाई जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने की। कोर्ट ने 8 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि ईडी डायरेक्टर का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाने का केंद्र का फैसला गैर-कानूनी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी का कार्यकाल बढ़ाने पर सरकार को उसका कारण बताना होगा। अक्सर देखा गया है सरकारें अपने अधिकारियों का कार्यकाल बढ़वा देती हैं। ऐसा वो इसलिए करती हैं क्योंकि इन एजेंसियों के मुखिया सरकारों को हिसाब से विरोधियों को घेरने में लगी रहती हैं। अब कोर्ट के इस आदेश के बावजूद मिश्रा 31 जुलाई तक पद पर बने रहेंगे। तब तक सरकार को नए चीफ की नियुक्ति करनी होगी। पहले संजय मिश्रा को 18 नवंबर को रिटायर होना था। केंद्र ने अध्यादेश के जरिये उनका कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाया था, जबकि कोर्ट पहले ही कह चुका था कि दूसरी बार के बाद संजय मिश्रा का कार्यकाल न बढ़ाया जाए। मामले में सरकार का तर्क है कि संजय मिश्रा की जगह लेने के लिए अभी कोई दूसरा अफसर तलाश नहीं किया जा सका है।

वे अभी मनी लॉन्ड्रिंग के कई मामलों की निगरानी रख रहे हैं। ऐसे में नई नियुक्ति के लिए हमें थोड़ा और समय चाहिए। इस केस की सुनवाई जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने की। कोर्ट ने 8 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने 2021 में कार्यकाल बढ़ाने वाले कानून में हुए बदलाव को वैध बताया है। किसी भी जांच एजेंसी के डायरेक्टर के कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। लेकिन सरकार को इसकी ठोस वजह लिखित में बतानी होगी। केंद्र ने नवंबर 2018 में संजय मिश्रा को दो साल के लिए ईडी का डायरेक्टर नियुक्त किया था। इसके बाद उन्हें रिटायर होना था, लेकिन सरकार ने उन्हें एक साल का एक्सटेंशन दे दिया। इस फैसले को कॉमन कॉज नाम के ह्तह्र ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सितंबर 2021 में कोर्ट ने मिश्रा को मिले एक्सटेंशन को बरकरार रखा था। कोर्ट ने इसके साथ ही कहा था कि मिश्रा को अब इस पद पर कोई एक्सटेंशन नहीं दिया जाएगा। नए कानून में प्रावधान था कि जांच एजेंसी ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों के डायरेक्टर को पांच साल तक का एक्सटेंशन दिया जा सकता है। कांग्रेस और टीएमसी नेताओं ने केंद्र के फैसले के खिलाफ याचिका दायर की केंद्र के इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती मिली। याचिकर्ताओं ने कहा कि ईडी एक ऐसी संस्था है, जो देश और हर राज्य के सभी तरह के मामलों की जांच करती है। ऐसे में इसको स्वतंत्र होना चाहिए। 8 मई की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि क्या वे इतने जरूरी हैं कि सुप्रीम कोर्ट के मना करने के बावजूद उनका कार्यकाल बढ़ाया जा रहा है। सरकार बोली- मिश्रा कई गंभीर मामलों की जांच कर रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जीवन के लिए नयी संभावनाओं की तलाश

प्रमोद भार्गव

आगामी चौदह जुलाई को दोपहर 2: 35 बजे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) चंद्रमा पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष की ओर भेजेगा। यदि चांद पर यह सफलतापूर्वक उतर जाता है, तो अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत इस अभियान में सफलता पाने वाला चौथा देश बन जाएगा। 14 जुलाई को उड़ान भरने के बाद चंद्रयान-3, तीन लाख 75 हजार किलोमीटर की यात्रा करके 23 या 24 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव्र की सतह पर उतरेगा। इसरो ने चांद पर भेजे जाने वाले यान को रॉकेट एलवीएम-3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) से जो? दिया है। रॉकेट श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपनी यात्रा शुरू करेगा। कोशिश है कि लैंडर की सॉफ्ट लैंडिंग कराई जाएगी। यान में कई उपकरण चांद की सतह का अध्ययन करेंगे। सभी उपकरणों का परीक्षण सफलतापूर्वक इसी साल मार्च में कर लिया गया है।

दरअसल, सफल लैंडिंग के लिए सूर्य की स्थिति के आधार पर तिथि तय की जाती है। इसे उतारते समय चंद्रमा पर सूर्य का प्रकाश होना आवश्यक है। 23 और 24 तारीखों में सूर्य का प्रकाश चांद पर रहेगा। यहां प्रत्येक 14 से 15 दिन अंधेरा रहता है। इसी को चांद का एक दिन और एक रात माना जाता है। उल्लेखनीय है कि 13 स्वदेशी वैज्ञानिक उपकरणों एवं उपग्रह समेत यान का कुल वजन 4400 क्विंटल के करीब है। स्वदेशी एलवी मार्क तीन रॉकेट इसे अंतरिक्ष में पहुंचाएगा। इसके तीन भाग हैं। लैंडर, ऑर्बिटर और रोवर। रोवर में 'प्रज्ञान' बेहद महत्वपूर्ण है। यही प्रज्ञान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने के बाद अपने काम में जुट जाएगा। यहां की सतह में पानी और खनिजों की खोज करेगा। चंद्रमा पर हीलियम की खोज करके उससे पृथ्वी पर फ्यूजन पद्धति से ऊर्जा की समस्या का हल करने की परिकल्पना वैज्ञानिकों के दिमाग में है। दरअसल फिलहाल चंद्रमा पर गहरा अंधेरा व सन्नाटा पसरा है। अतएव कृत्रिम तरीकों से बिजली पैदा की जाएगी। यहां जीवनदायी तत्व हवा, पानी और अग्नि नहीं हैं। ये तत्व नहीं हैं इसलिए, जीवन भी नहीं है।

याद रहे भारत द्वारा 2008 में भेजे गए चंद्रयान-1 ने ही दुनिया में पहली बार चंद्रमा पर पानी होने की खोज की

थी। चंद्रयान-2 की असफलता का विस्तार चंद्रयान-3 है। यह अभियान मानव को चांद पर उतारने जैसा ही चमत्कारिक होगा। इस अभियान की लागत करीब 7,000 करोड़ रुपये आएगी। चांद पर उतरने वाला यान अब तक चंद्रमा के अछूते हिस्से दक्षिणी ध्रुव्र के रहस्यों को खंगालेगा। चंद्रयान-3 इसरो का पहला ऐसा मिशन है, जो किसी दूसरे ग्रह की जमीन पर अपना यान उतारेगा। यहां की चट्टानें 10 लाख साल से भी ज्यादा पुरानी बताई गई हैं। इतनी प्राचीन चट्टानों के अध्ययन से ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति को समझने में मदद मिल सकती है। इससे इतर इस पर लक्ष्य साधने का अन्य उद्देश्य चंद्रमा के इस क्षेत्र का अब तक अछूता रहना भी है। दक्षिणी ध्रुव्र पर अब तक कोई भी यान नहीं उतारा गया है। अब तक के अभियानों में ज्यादातर यान चंद्रमा की भूमध्य रेखा के आसपास ही उतरते रहे हैं। चांद पर उतरने की दिलचस्पी इसलिए भी है, क्योंकि यहां एक तो पानी उपलब्ध होने की संभावना जुड़ गई है, दूसरे यहां ऊर्जा उत्सर्जन की संभावनाओं को भी तलाशा जा रहा है। अंतरिक्ष में मौजूद ग्रहों पर यानों को भेजने की प्रक्रिया बेहद जटिल और शंकाओं से भरी होती है। यदि अवरोह का कोण जरा भी डिग जाए या फिर गति का संतुलन थोड़ा-सा ही लड़खड़ा जाए तो कोई भी चंद्र-अभियान या तो चंद्रमा पर जाकर ध्वस्त हो जाता है, या फिर अंतरिक्ष में कहीं भटक जाता है। इसे न तो खोजा जा सकता है और न ही नियंत्रित करके दोबारा लक्ष्य पर लाया जा सकता है। दरअसल, 7 सितंबर, 2019 की रात्रि में 1:40 बजे भारत ने चंद्रयान-2 भेजा था। लेकिन रात्रि 2:50 बजे अभियान पर पानी फिर गया। वर्ष 1960 के दशक में जब अमेरिका ने उपग्रह भेजे थे, तब उसके शुरू के छह प्रक्षेपण के प्रयास असफल रहे थे। अविभाजित सोवियत संघ ने 1959 से 1976 के बीच 29 अभियानों को अंजाम दिया। इनमें से नौ असफल रहे थे।

959 में रूस ने पहला उपग्रह भेजकर इस प्रतिस्पर्धा को गति दे दी थी। तब से लेकर अब तक 67 चंद्र-अभियान हो चुके हैं, लेकिन चंद्रमा के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं जुटाई जा सकी है। इस होड़ का ही नतीजा रहा कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने चंद्रमा पर मानव भेजने का संकल्प ले लिया। 20 जुलाई, 1969 को अमेरिका ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि वैज्ञानिक नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन को चंद्रमा पर उतारकर प्राप्त भी कर ली। इसी से कदमताल मिलाते हुए रूस ने 3 अप्रैल, 1984 को वैज्ञानिक स्त्रेकालोव, मालिशेव बाईकानूर और राकेश शर्मा को अंतरिक्ष यान सोयूज टी-11 से चंद्रमा पर भेजने में सफलता हासिल की। इस कड़ी में चीन 2003 में मानवयुक्त यान चंद्रमा पर उतारने में सफल हो चुका है।

नदियां अपने रोके रास्ते को याद रखती हैं

पंकज चतुर्वेदी

पहली बारिश में ही गुरुग्राम दरिया बन गया, बीते पंद्रह दिनों में विकास और समृद्धि के प्रतिमान दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बार-बार जलभराव के कारण जाम लग चुके हैं। ऐसा बीते पांच सालों से हर साल हो रहा है। नाली बनती है, फ्लाईओवर बनते हैं लेकिन बरसात होते ही जल वहीं आ जाता है। यह सभी जानते हैं कि असल में जहां पानी भरता है, वह अरावली से चल कर नजफगढ़ में मिलने वाली साहबी नदी का हजारों साल पुराना मार्ग है, नदी सुखाकर सड़क बनाई गई है। लेकिन नदी भी इंसान की तरह होती है, उसकी याददाश्त होती है, वह अपना रास्ता 200 साल नहीं भूलती। अब समाज कहता है कि उसके घर-मोहल्ले में जल भर गया, जबकि नदी कहती है कि मेरे घर में इंसान बलात् कब्जा किये हुए हैं। देश के छोटे-बड़े शहर- कस्बों में कंक्रीट के जंगल बोने के बाद जलभराव एक स्थायी समस्या है और इसका मूल कारण है कि वहां बहने वाली कोई छोटी-सी नदी, बरसाती नाले और जोहगों को समाज ने अस्तित्वहीन समझ कर मिटा दिया।

यह तो अब समझ आ रहा है कि समाज, देश और धरती के लिए नदियां और बरसाती नाले बहुत जरूरी हैं, लेकिन अभी यह समझ में आना शेष है कि छोटी नदियों और बरसाती नालों पर ध्यान देना अधिक जरूरी है। गंगा, यमुना जैसी बड़ी नदियों को स्वच्छ रखने पर तो बहुत काम हो रहा है, पर ये नदियां बड़ी इसीलिए बनती हैं क्योंकि इनमें बहुत-सी छोटी नदियां आकर मिलती हैं। यदि छोटी नदियों में पानी कम होगा तो बड़ी नदियां भी सूखी रहेंगी। यदि छोटी नदी में गंदगी या प्रदूषण होगा तो वह बड़ी नदी को प्रभावित करेगा। बरसाती नाले अचानक आई बारिश की असीम जलनिधि को अपने में समेट कर समाज को डूबने से बचाते हैं। छोटी नदियां और नाले अक्सर गांव, कस्बों में बहुत कम दूरी में बहते हैं। कई बार एक ही नदी के अलग-अलग गांव में अलग-अलग नाम होते हैं कभी वह नाला कहलाती है, कभी नदी। ऐसी कई जलनिधियों का तो रिकार्ड भी नहीं है।

हमारे लोक समाज और प्राचीन मान्यता नदियों और जल को लेकर बहुत अलग थी, बड़ी नदियों से दूर घर-बस्ती हो। बड़ी नदी को अविरल बहने दिया जाए। कोई बड़ा पर्व या त्योहार हो तो बड़ी नदी के किनारे एकत्र हों, स्नान करें और पूजा करें। छोटी नदी या तालाब या झील के आसपास बस्ती हों। यह जल संरचना दैनिक कार्य के लिए जैसे स्नान, कपड़े धोने, मवेशी आदि के लिए। पीने के पानी के लिए घर-आंगन, मोहल्ले में कुआं, जितना जल चाहिए, श्रम करिए, उतना ही रस्सी से खींच कर निकालिए। अब यदि बड़ी नदी बहती रहेगी तो छोटी नदी या तालाब में जल बना रहेगा, यदि तालाब और छोटी नदी में पर्याप्त जल है तो घर के कुएं में कभी जल की कमी नहीं होगी। एक मोटा अनुमान है कि आज भी देश में कोई 12 हजार छोटी ऐसी नदियां हैं, जो उपेक्षित हैं, उनके अस्तित्व पर खतरा है। उन्नीसवीं सदी तक बिहार (आज के झारखंड को मिलाकर) में कोई छह हजार नदियां हिमालय से उतर कर आती थीं। आज इनमें से महज 400 से 600 का ही अस्तित्व बचा है।

मधुबनी, सुपौल में बहने वाली तिलयुगा नदी कभी कोसी से भी विशाल हुआ करती थी, आज उसकी जलधारा सिमट कर कोसी की सहायक नदी के रूप में रह गई है। सीतामड़ी की लखनदेई नदी को तो सरकारी इमारतें ही चाट गईं। नदियों के इस तरह रूठने और उससे बाढ़ और सुखाड के दर्द के साथ-साथ चलने की कहानी देश के हर जिले और कस्बे की है। लोग पानी के लिए पाताल का सीना चीर रहे हैं और निराशा हाथ लगती है; उन्हें यह समझने में दिक्कत हो रही है कि धरती की कोख में जल भंडार तभी लबालब रहता है, जब पास बहने वाली नदिया हंसती-खेलती हों। अंधाधुंध रेत खनन, जमीन पर कब्जा, नदी के बाढ़ क्षेत्र में स्थायी निर्माण ही छोटी नदी के सबसे बड़े दुश्मन हैं। दुर्भाग्य से जिला स्तर पर कई छोटी नदियों का राजस्व रिकार्ड नहीं हैं, उनको शातिर तरीके से नाला बता दिया जाता है। जिस साहबी नदी पर शहर बसाने से हर साल गुरुग्राम डूबता है, उसका बहुत-सा रिकार्ड ही नहीं है। झारखंड-बिहार में बीते चालीस साल के दौरान हजार से ज्यादा छोटी नदियां गुम हो गईं। हम यमुना में पैसा लगाते हैं लेकिन उसमें जहर ला रही हिंडन, काली को और गंदा करते हैं कुल मिलाकर यह नल खुला छोड़ कर पोंछा लगाने का श्रम करने जैसा है। छोटी नदी केवल पानी के आवागमन का साधन नहीं होती, उसके चारों तरफ समाज भी होता है और पर्यावरण भी।

नदी किनारे किसान भी हैं और कुम्हार भी, मछुआरा भी और धीमर भी। नदी की सेहत बिगड़ी तो तालाब से लेकर कुएं तक में जल का संकट हुआ सो परोक्ष और अपरोक्ष समाज का कोई ऐसा वर्ग नहीं है जो इससे प्रभावित नहीं हुआ हो। नदी-तालाब से जुड़कर पेट पालने वालों का जब जल-निधियों से आसरा खत्म हुआ तो मजबूरन उन्हें पलायन करना पड़ा। इससे एक तरफ जल-निधियां दूषित हुईं तो दूसरी तरफ बेलगाम शहरीकरण के चलते महानगर अर्बन स्लम में बदल रहे हैं। स्वास्थ्य, परिवहन और शिक्षा के संसाधन महानगरों में केन्द्रित होने के कारण ग्रामीण सामाजिक- आर्थिक संतुलन भी इससे गड़बड़ा रहा है। जाहिर है कि नदी-जीवी लोगों की निराशा ने समूचे समाज को समस्याओं की नई सौगात दी है। सबसे पहले छोटी नदियों और बरसाती नालों का एक सर्वे और उसके जलतंत्र का दस्तावेजीकरण हो, फिर छोटी नदियों की अविरलता सुनिश्चित हो।

मानसून में इन चीजों को खाने से कई बीमारियां रहेंगी दूर

मानसून न केवल गर्मी से राहत दिलाता है, बल्कि लोग इस मौसम कई तरह के व्यंजनों का आनंद लेते हैं। हालांकि सेहत के लिहाज से यह मौसम सही नहीं माना जाता है। अगर आप मानसून में स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो आप अपनी डाइट में कुछ आयुर्वेदिक चीज़ों को शामिल कर सकते हैं। जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और आप कई तरह की बीमारियों से बच सकते हैं।

नीम

भले ही नीम का स्वाद कड़वा होता है। इसमें माइक्रोबियल गुण पाए जाते हैं। जो बारिश के मौसम में स्किन की देखभाल करने में मदद करते हैं। नीम के पत्ते में एंटिफंगल गुण पाए जाते हैं। आप नीम की चाय या नीम की पत्तियां भी चबा सकते हैं। इससे आप स्वस्थ रहेंगे। नीम के बहुत-से अविश्वसनीय लाभ हैं, उनमें से सबसे खास है - यह कैंसर-कोशिकाओं को नष्ट कर देता है। हर किसी के शरीर में कैंसर वाली कोशिकाएं होती हैं, लेकिन वे एक जगह नहीं होतीं, हर जगह बिखरी होती हैं।

लेमनग्रास

लेमनग्रास में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। आप चाय में इसे शामिल कर सकते हैं। इससे आपकी इम्युनिटी तेज होती है। मानसून के दौरान आम बीमारियों से बचाने में लेमनग्रास मदद कर सकता है। कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने में लेमन ग्रास अहम भूमिका निभा सकती है। इस बात की पुष्टि दो अलग-अलग शोध से होती है। लेमन ग्रास का सेवन अपच, गैस्ट्रिक की समस्या व पेट संबंधित अन्य परेशानियों से राहत दिलाने के साथ पेट की अंदरूनी दीवारों को सुरक्षा प्रदान कर सकता है। साथ ही, पाचन को दुरुस्त करने में भी सहायक हो सकता है।

गिलोय

मानसून में आफ संक्रमण से बचना चाहते हैं, तो गिलोय का काढ़ा पी सकते हैं या इसके पाउडर का भी उपयोग कर सकते हैं। जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। गिलोय में बुखार कम करने वाले गुण होते हैं। यह फ्लू जैसे लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

अश्वगंधा

अश्वगंधा को विथानिया सोम्नीफेरा के नाम से भी जाना जाता है, इसमें इम्यून-मॉड्यूलेटिंग गुण होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। मानसून की डाइट में आप अश्वगंधा जरूर शामिल करें। यह जादुई जड़ी बूटी मस्तिष्क को शांत करने, सूजन को कम करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकती है। अश्वगंधा मानव शरीर को विभिन्न तरीकों से लाभ पहुंचाता है और आयुर्वेद में इस जड़ी-बूटी को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है।

अदरक

अदरक में विटामिन-सी, कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, एंटीवायरल और एंटीऑक्सिडेंट गुण पाए जाते हैं। मानसून में आप अपनी डाइट में अदरक जरूर शामिल करें। आप अदरक की चाय, सूप या इसे सब्जी में शामिल कर खा सकते हैं। अगर आपको एक्सरसाइज करने से मांसपेशियों में दर्द हो रहा है तो अदरक के इस्तेमाल से इसमें राहत मिल सकती है। प्रतिदिन 2 ग्राम अदरक के सेवन मांसपेशियों के दर्द को कम किया जा सकता है।

हंसना मना है

लड़का आधा किलो जलेबी खाके बिना पैसे दिए जाने लगा, दूकानदार: ओ भाई पैसे? लड़का : नहीं हैं! दुकानदार ने उसे कूट दिया? वो उठकर कपड़े झाड़ते हुए बोला.. भैया इसी भाव में एक किलो और तौल दो?

मम्मी (अपने बेटे से गुस्से में): नालायक कहीं का, तू बाल क्यूं नहीं कटवाता? लड़का: क्या दिक्कत है मां, ये आजकल का फैशन है। मम्मी: (गुस्से में तमतमाते हुए) आग लगे इस फैशन को, लड़के वाले तेरी बहन को देखने आये थे तुझे पसंद करके चले गए।

लड़की: इस ड्रेस की क्या कीमत है ? दुकानदार : सिर्फ 5 kiss? लड़की : और इस ड्रेस की? दुकानदार: मात्र 10 kiss? लड़की : तो दोनों ड्रेस पैक कर दो बिल दादी देगी?

दूल्हा : पंडितजी ! पत्नी को दांयी तरफ बैठाना है या बांयी तरफ? पंडित : देख लो, जैसा ठीक लगे बाद में तो सर पर ही बैठेगी !

लड़का: कहां जा रही हो? लड़की: आत्महत्या करने? लड़का: तो इतना मेकअप क्यों किया हुआ है? लड़की: अबे गधे ! कल न्यूज पेपर में फोटो आएगी न।

कहानी | साहसी चिड़िया

एक बार की बात है एक जंगल में बहुत सारे पशु, पक्षी, जिव-जंतु रहते थे। सभी एक साथ रहते थे और एक दूसरे केसाथ बहुत खुश थे। हरे भरे जंगल में एक दिन आग लग लग गयी। सब पेड़ जलने लगे। धीरे-धीरे पूरे जंगल में आग लग गयी। सारे प्राणी, पक्षी डर गए। और इधर उधर भागने लगे। सब ने जंगल छोड़ने का फैसला लिया और भागने लगे। ऐसे में एक चिड़िया ने भागना स्वीकारा नहीं किया और उसने आग को बंद करने की सोची। जंगल में एक तालाब भी था। चिड़िया उस तालाब से चोंच में पानी भरके आग बुझाने का प्रयास करने लगी। बार बार पानी लाती और आग पे डालती। सभी जानवर इस चिड़िया को देखकर हसने लगे। और बोले की तेरी इस चोंच भरे पानी से आग नहीं बुझने वाली। चिड़िया बोली, आग बुझे या न बुझे लेकिन मैं यथाशक्ति प्रयास तो कर रही हुं। आपकी तरह मुसीबत से भाग तो नहीं रही बल्कि सामना कर रही हूं। जिस पेड़ के पत्ते फल फूल खाये उसको जलता देख भाग कैसे सकती हूं। यह सुनकर सभी प्राणी और पक्षी इस चिड़िया की बातों से सहमत हुए और सभी ने साथ मिलकर तालाब से पानी लाए। जब सभी जीव जन्तु एक साथ पानी लाए तो ज्यादा पानी की वजह से आग धीरे-धीरे कम होने लगी और जंगल जलने से बच गया।

कहानी से सीख- हमें इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें कभी मुसीबत से भागना नहीं चाहिए। बल्कि उनका डटकर सामना करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

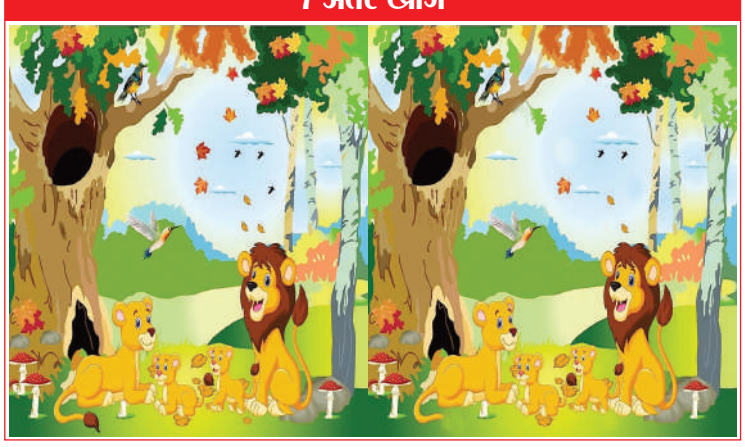

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम पूरे होने के बाद आप रिलैक्स महसूस करेंगे। आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है।

वृषभ

आज आपके राजकीय मामले पक्ष में हल होंगे। जीवन में कुछ चुनौतियां आने की संभावना हैं। आज आपको अचानक कुछ अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन

शिक्षार्थियों के लिए बेहतर समय है। यदि किसी बड़ी प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं, तो सफलता की संभावना बहुत अधिक है। आप नए कार्यों का प्रारम्भ कर सकते हैं।

कर्क

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपके कुछ खास काम बनते-बनते अटक सकते हैं। कारोबार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बन सकती है।

सिंह

बौद्धिक चर्चा में अपने तार्किक विचारों को प्रदान करने के लिए समय अनुकूल है। किसी घरेलू काम के लिए आप पूरे परिवार के साथ मिलकर बातचीत कर सकते हैं।

कन्या

आपकी नौकरी के हालात में सुधार संभव है। किन्तु स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां रह सकती हैं। कार्यस्थल पर अधीनस्थों से विरोध हो सकता है।

तुला

आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। माता-पिता अपने बच्चों के साथ कहीं आस-पास पिकनिक स्पॉट पर जा सकते हैं। आपको आलस्य महसूस हो सकता है।

वृश्चिक

संतान की सफलता से खुशी मिलेगी। जीवनसाथी के सहयोग से आपको जीवन में आगे बढ़ने का रास्ता मिल सकता है। आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।

धनु

आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपकी सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। पारिवारिक मामलों में सावधानी से काम लें। संयमित दिनचर्या अपनाना ठीक रहेगा।

मकर

आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। किसी पुरानी बात को लेकर आप थोड़े परेशान हो सकते हैं। घर पर अचानक से कोई मित्र आ सकता है।

कुम्भ

गुरुवार को आपका दिन फायदेमंद रहेगा। कोई बड़ा काम संतान की मदद से पूरा हो जायेगा। माता-पिता का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मीन

आज आप अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी रहेगी।

ओह माय गॉड-2 का टीजर रिलीज, अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी ने फूंक दी है जान

बॉलीवुड | रिलीज

अक्षय कुमार की अगली फिल्म ओह माय गॉड 2 का टीजर आखिरकार आ ही गया, जिसका लोगों को बेसब्री से इंतजार था। पिछले दिनों अक्षय कुमार की इस फिल्म से कुछ झलकियां भी सामने आई थीं, जिसपर लोगों ने उन्हें जमकर नसीहतें भी दे डाली थीं। लोगों ने धमकियां दी थी कि हमने पिछली फिल्म में तो झेल लिया लेकिन इस बार धर्म का मजाक बनाया तो सही नहीं होगा। खैर, अब फिल्म का टीजर सामने आ गया है। ओएमजी 2 को टीजर पोस्टर के बाद आखिरकार अक्षय ने अपनी इस फिल्म का टीजर फाइनली रिलीज कर दिया है। ये टीजर फिल्म की रिलीज से ठीक एक महीने पहले जारी किया गया है। इस फिल्म का टीजर शेयर करते हुए लिखा है- रख विश्वास, ओएमजी- 2 की टीजर आउट हो गया है। उन्होंने कैप्शन में बताया है कि फिल्म 11 अगस्त को रिलीज हो रही है।

बता दें कि सोमवार को अक्षय कुमार ने अपनी इस फिल्म ओएमजी-2 का एक क्लिप शेयर किया था। इस वीडियो में अक्षय शिव के अवतार में दिख रहे हैं। उन्होंने इसी के साथ बताया था कि फिल्म का टीजर 11 जुलाई यानी मंगलवार को रिलीज हो रहा है। अक्षय के इसी वीडियो पर लोगों ने उन्हें चेतावनी दे डाली थी।

बॉलीवुड | अवतार

जाह्नवी कपूर के स्टनिंग लुक ने साड़ी में ढाया कहर

जाह्नवी कपूर अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक के लिए जानी जाती हैं। इंटरनेट पर अक्सर जाह्नवी कपूर का स्टाइलिश लुक वायरल रहता है। एक बार पर जाह्नवी कपूर अपने स्टाइलिश अवतार से इंटरनेट पर धमाल मचा रही है। जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपना खूबसूरत और स्टनिंग लुक शेयर किया है। जाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपना खूबसूरत लुक शेयर किया है। जाह्नवी कपूर ग्रीन कलर की साड़ी में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। जाह्नवी कपूर ने ग्रीन कलर की साड़ी के साथ लाइट मेकअप कैरी किया हुआ है। लाइट मेकअप और और खुले बालों में जाह्नवी कपूर बेहद स्टनिंग लग रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस खूबसूरत अवतार को काफी पसंद किया जा रहा है। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर जल्द ही फिल्म बवाल में नजर आएंगी। फिल्म में वह पहली बार वरुण धवन के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह मिस्टर एंड मिसेज माही फिल्म में भी नजर आएंगी। जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और स्टनिंग फोटो से भरा हुआ है। जाह्नवी कपूर अक्सर इंस्टाग्राम पर अपना ग्लैमरस लुक शेयर कर लाखों फैंस को हैरान कर देती हैं।

आशीष विद्यार्थी ने वाइफ रूपाली के साथ शेयर की वेकेशनल तस्वीर

आशीष विद्यार्थी अपनी दूसरी शादी के बाद लगातार सुर्खियों में है। 57 साल की उम्र में एक्टर को दूसरी बार प्यार हुआ और फिर शादी रचाई। एक्टर ने असम की रहने वाली रुपाली बरुआ के साथ शादी की। वहीं अब एक्टर अपनी पत्नी रुपाली संग अपनी वेकेशन की फोटोज साझा की है।

एक्टर ने 25 मई को असम की फैशन डिजाइनर रूपाली बरुआ से शादी करने के बाद सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है। सोमवार को उन्होंने पत्नी रूपाली के साथ अपनी एक नई तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में न्यूलीवेड्स कपल को पूरे दिल से मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा, एक-दूसरे के साथ में जगमगाते हुए शादी के बाद एक्टर ने एक इंटरव्यू में रुपाली संग पहली मुलाकात के बारे में खुलासा किया था, उन्होंने कहा- मैं पिछले साल एक व्लॉगिंग असाइनमेंट्स के दौरान रुपाली से मिला था, जिसके बाद आशीष ने उनसे बातचीत करनी शुरू की तो उनको मालूम पड़ा कि रुपाली एक बड़े दर्द से गुजरी हैं। एक्टर की उम्र जहां 57 साल है तो वहीं रूपाली की उम्र 50 साल हैं। बता दें,आशीष की पहली पत्नी पीलू विद्यार्थी थी। करीब 22 साल एक-दूसरे के साथ रहने के बाद दोनों ने अपने रास्ते हमेशा के लिए अलग किए। तलाक के बारे में करते हुए एक्टर ने कहा था, हमने पूरी कोशिश की, अगर हम मतभेदों को सुलझा सकते हैं, लेकिन फिर हमने पाया कि मतभेदों को सुलझाया जा सकता है, लेकिन यह एक तरह से होगा कि हम में से एक दूसरे पर थोपेगा और वह खुशी छीन लेगा।

यहां उगाये जा रहे जादुई चावल! गर्म नहीं.. ठंडे पानी में पकता है यह राइस

आपने अभी तक कई तरह के चावल के नाम सुने होंगे और उन्हें खाया होगा। घर में बनने वाले चावल से लेकर शादी-विवाह में प्रयोग में लाये जाने वाले बासमती राइस का स्वाद चखा होगा। आम तौर पर चावल को गर्म पानी में पकाया जाता है, लेकिन आपको आज ऐसे चावल के बारे में बताने जा रहा है, जो गर्म के बजाय चावल ठंडे पानी में बन कर तैयार होता है। बिहार के पूर्वी चंपारण में मैजिक चावल की पैदावार की जा रही है। जिले के कोटवा प्रखंड के गोपी छपरा पंचायत के सागर चुरामन गांव निवासी किसान प्रयाग देव सिंह यहां असम के मैजिक चावल की खेती कर रहे हैं। वो 10 कट्ठा खेत में मैजिक धान की खेती कर रहे हैं। उनसे प्रभावित होकर यहां के और भी किसान मैजिक चावल की खेती करने लगे हैं। दरअसल, असम के ब्रह्मपुत्र घाटी में बड़े पैमाने पर उगाए जाने वाले 'बोका-चोकुवा चावल' को मैजिक चावल कहा जाता है। इस चावल को भारत सरकार की तरफ से लड्ड टैग प्राप्त है। मैजिक चावल की खासियत है कि इसे एक घंटा तक ठंडे पानी में रखने से यह सामान्य चावल की तरह पक कर तैयार हो जाता है। किसान प्रयाग देव सिंह बताते हैं कि जिस तरह बिहार में चूड़ा में पानी, गुड़, दही आदि मिला कर लोग खाते हैं, उसी तरह से मैजिक चावल को दूध, दही, घी आदि के साथ आराम से खाया जाता है। लोगों का दावा है कि इस चावल में फाइबर की मात्रा अधिक होती है। तीन दिन मैजिक राइस खाने के बाद चौथे दिन शरीर में एक विशेष स्फूर्त महसूस की जाती है। बता दें कि, मैजिक धान की खेती मूलतः असम के ब्रह्मपुत्र घाटी में होती है। फसल तैयार होने में 180 दिन का समय लगता है। इसका पौधा सात फीट ऊंचा होता है। इसे निचली जमीन पर लगाया जाता है, ताकि इसमें हमेशा पानी की उपलब्धता बनी रहे। बिहार की बात करें, तो यहां कई ऐसे इलाके हैं, जो हर वर्ष बाढ़ की चपेट में आते हैं। उन सभी बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में मैजिक चावल का उत्पादन किसानों के लिए वरदान साबित हो सकता है। पूर्वी चंपारण की धरती पर प्रति कट्ठा मेजिक चावल का एक क्विंटल उत्पादन होता है। यह चावल मोटा होता है। इसका मार्केट में 450 से लेकर 500 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से दाम मिल जाता है।

अजब-गजब

स्कूल के बाद पहुंच जाते हैं फैक्ट्री, मिलती है फ्री में ट्यूशन!

यहां पैरेंट्स के साथ बच्चे भी आते हैं ऑफिस

महिलाओं के करियर और काम करने की राह में जो सबसे बड़ी दिक्कत आती है, वो बच्चों की देखभाल है। कई बार तो माता-पिता मिलकर बच्चे संभाल लेते हैं लेकिन कई बार ये दिक्कत बढ़ जाती है, जब दोनों के काम करने का वक्त एक ही हो। ऐसे में अगर कोई दफ्तर बच्चों को भी वहां रखने की सुविधा दे दे, तो वाकई ये बेहतरीन पहल होगी।

अपने देश में दफ्तर में 6 साल तक के बच्चों के डेकेयर की व्यवस्था की जाती है लेकिन पड़ोसी देश चीन में एक फैक्ट्री के मालिक ने अपने कर्मचारियों की इस समस्या को खत्म करने के लिए जो समाधान निकाला है, वो सुनकर आपकी आंखों में आंसू आ जाएंगे और आप इस शख्स को बिना देखे और जाने ही उसकी तारीफों के पुल बांधने लगेंगे।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक युआन सरनेम वाले इस शख्स की हुनान प्रांत में एक फैक्ट्री है। यहां काम करने वाले स्टाफ को बॉस ने अपने बच्चे वर्कप्लेस पर लाने की इज़ाजत दी है। ऐसा नहीं है कि ये बच्चे यूं ही आएंगे, इनके लिए बाकायदा दो टीचर्स को भी हायर किया गया है। स्कूल के बाद वहां पहुंचने पर ये उनकी देखभाल करेंगे। इन्हें खेलकूद, स्केटबोर्डिंग और दूसरे आउटडोर गेम्स सिखाए जाते हैं। उन्हें होमवर्क भी कराया जाता है और मुफ्त में ट्यूशन भी दी जाती है। जब कर्मचारियों का काम खत्म हो जाता है, तो बच्चों को वो वहीं से ले लेते हैं। युआन का कहना है कि उन्हें पता था कि उनके कर्मचारी जब काम करते हैं तो उन्हें अपने बच्चों को संभालने में परेशानी होती है क्योंकि जब वे स्कूल से आते हैं तो घर पर कोई नहीं होता। ऐसे में वे चाइल्डकेयर प्रोग्राम लेकर आए। अब बच्चे और माता-पिता सभी खुश हैं। यहां तक कि बच्चे अगर युआन को देख लेते हैं, तो उनके पास दौड़कर आ जाते हैं और उन्हें प्यार करते हैं। इस कहानी के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही लोग इस शख्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

विपक्षी बैठक से पहले सोनिया सबको करेंगी एकजुट

सभी पार्टियों को 18 जुलाई से पहले डिनर पर बुलाया, आप को भी दिया आमंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्ष ने अपनी ताकत को और बढ़ाने के लिए कमर कसना शुरू कर दिया है। इसी बाबत होने वाले सभी विपक्षी दलों 18 जुलाई के बैठक से पहले कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी सभी प्रमुख नेताओं को रात्रि भोज पर बुलाया है। विपक्ष एक बार फिर बैठक करने वाला हैं, इस बैठक में सोनिया और राहुल गांधी के भी शामिल होने की संभावना है। विपक्षी दलों की यह दूसरी बैठक होगी इससे पहले पटना में सभी विपक्षी दलों ने पिछले महीने ही एक बैठक की है।

सूत्रों के अनुसार 18 जुलाई को होने वाली बैठक से पहले सोनिया गांधी ने सभी विपक्षी दलों को डिनर पर भी आमंत्रित किया है। आम आदमी पार्टी को भी न्योता दिया गया है। सूत्रों के एक अनुसार सोनिया गांधी 18 जुलाई को होने वाली इस बैठक से ठीक एक दिन पहले इस डिनर का आयोजन कर सकती हैं। सोनिया गांधी द्वारा तमाम विपक्षी पार्टियों को डिनर पर बुलाने को विपक्षी दलों को एक जुट करने और विपक्षी एकता को और मजबूत करने की दिशा में प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है, बता दें कि बिहार की राजधानी में पटना में हुई विपक्षी दलों की पहली बैठक में 15 पार्टियों ने हिस्सा लिया था।

आठ नई पार्टियां होंगी दूसरी बैठक में शामिल

सूत्रों के अनुसार विपक्षी दलों की दूसरी बैठक में आठ नई पार्टी भी शामिल हो सकती है। दूसरी बैठक में जो पार्टियां शामिल होने वाली हैं उनमें खास तौर पर एमडीएमके, केडीएमके, वीसीके, आरएसपी, एआईएफबी, आईयूएमएल, केरला कांग्रेस(जोसेफ), केरला कांग्रेस(मनी) मुख्य रूप से शामिल हैं। खास बात ये है कि केडीएमके और एमडीएमके 2014 में बीजेपी के साथ गठबंधन में थी। गौरतलब है कि बिहार की राजधानी पटना में विपक्ष को एकजुट करने और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाने के उद्देश्य से विपक्षी दलों की पहली बैठक का आजोयन किया गया था। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाईटेड के नेता नीतीश कुमार की पहल पर आयोजित की गई इस बैठक में 15 विपक्षी पार्टियों के 32 नेता शामिल हुए थे. इस बैठक में चार घंटे तक चर्चा चली।

राहुल गांधी को मिला नया ठिकाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फिलहाल इस घर में शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित रह रहे थे, लेकिन अब वे इसके पास ही स्थिति अपनी मौसी के घर में शिफ्ट हो जाएंगे। राहुल को यह घर काफी पसंद आया है। उन्होंने रेंट पर इसमें शिफ्ट होने पर सहमति भी जताई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दक्षिण दिल्ली के निज़ामुद्दीन ईस्ट बी2 इलाके में शिफ्ट होने की संभावना है।

संदीप दीक्षित के बंगले में होंगे शिफ्ट

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का परिवार उस घर का मालिक है, जहां उन्होंने अपने अंतिम वर्ष बिताए थे। ताजा घटनाक्रम एक सांसद के रूप में अयोग्य ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी को अपना आधिकारिक बंगला छोड़ने के लिए कहे जाने के कुछ महीनों बाद हुआ है। 22 अप्रैल को लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के बाद, गांधी ने अपना आधिकारिक बंगला छोड़ दिया था और अस्थायी रूप से अपनी मां के साथ रहने लगे, लेकिन वह एक नए घर की तलाश में थे। फिलहाल इस घर में शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित रह रहे थे, लेकिन अब वे इसके पास ही स्थिति अपनी मौसी के घर में शिफ्ट हो जाएंगे। राहुल को यह घर काफी पसंद आया है। उन्होंने रेंट पर इसमें शिफ्ट होने पर सहमति भी जताई है।

1,500 वर्ग फुट का यह घर 16वीं शताब्दी के मुगल मकबरे, हुमायूं के मकबरे के सामने दिखता है। 13वीं सदी के सूफी संत ख्वाजा निज़ामुद्दीन औलिया की दरगाह घर से कुछ सौ मीटर की दूरी पर है। जब गांधी दिसंबर के अंतिम सप्ताह में दिल्ली पहुंचे, तो उन्होंने दरगाह पर प्रार्थना की थी।

आप मुख्यालय की जासूसी कर रही केंद्र सरकार: भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सीसीटीवी फुटेज जारी कर खोली पोल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक सीसीटीवी फुटेज जारी कर केंद्र सरकार पर आम आदमी पार्टी मुख्यालय की जासूसी कराने का आरोप लगाया है। भारद्वाज ने दावा किया कि सात लोगों को भेजकर राष्ट्रीय दल की जासूसी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग किसी सरकारी संस्था से जुड़े लग रहे हैं। पहले भी बताया गया था कि केंद्र सरकार ने इस्राइल से पेगासस सॉफ्टवेयर खरीदा था, जिसके अवशेष उन जाने-माने लोगों के फोन में मिले थे। जिनकी केंद्र सरकार से नहीं बनती।

भारद्वाज ने कहा कि देश में डर और दहशत का माहौल है, क्योंकि सरकार जासूसी कराने में लगी है। अभी तक केवल लोगों की जासूसी हुआ करती थी। मगर अब एक राष्ट्रीय दल के मुख्यालय की जासूसी कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर चार आदमी खड़े दिख रहे हैं। वहीं, तीन अन्य लोग पार्टी के मुख्यालय के अंदर झांकते देखे गए। अंदर जाने वाले तीन व्यक्ति उन चार लोगों से मिले हैं।

बंगाल हिंसा की जांच के लिए पहुंची भाजपा की टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में शनिवार को पंचायत चुनाव हुए। इस दौरान पूरे सूबे में जमकर हिंसा हुई। खूब तोड़फोड़, पथराव और आगजनी हुई। राजनीतिक लड़ाई के चलते कई लोगों की हत्या कर दी गई। इन्हीं सब स्थितियों को देखते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सांसदों की एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो हिंसा के पीछे का सच सामने लाने बुधवार को बंगाल पहुंच गई। लोकसभा सांसद रविशंकर प्रसाद ने बुधवार सुबह भाजपा के नेताओं के साथ कोलकाता पहुंचे।

भाजपा सांसद ने कहा कि हम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और उन लोगों से मुलाकात की जाएगी, जो पीड़ित होंगे। साथ ही 40 से अधिक लोगों की जान क्यों गई इसका जवाब भी ढूंढा जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पता लगाएंगे कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे तथाकथित सहयोगी स्पष्ट चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि ममता सरकार हमें प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने की अनुमति देंगी। रविशंकर प्रसाद ने बताया कि जेपी नड्डा ने एक टीम तैयार की है। इसका संयोजक उन्हें बनाया गया है। सांसदों की टीम बंगाल में ग्राम पंचायत चुनाव के मद्देनजर बड़े पैमाने पर हिंसा, हत्या, बम विस्फोट से प्रभावित सभी क्षेत्रों का दौरा करेगी। इस दौरान कई सवालों के जवाब ढूंढे जाएंगे। बाद में, इसकी रिपोर्ट भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपी जाएगी।

नेहा सिंह राठौर पर एमपी में एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीधी। सोशल मीडिया में का बा लोकगीत के माध्यम से फेमस हुईं नेहा सिंह राठौर के खिलाफ मध्यप्रदेश के सीधी जिले में एफआईआर दर्ज हो गई है। जहां उन्होंने अपने का बा लोकगीत को अब मध्यप्रदेश के सीधी से जोड़ा है, उसे रिलीज करने को लेकर ट्वीट किया था।

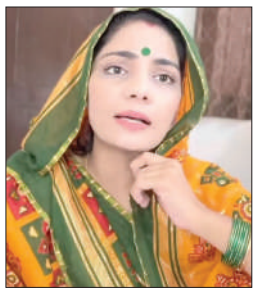

साथ ही उन्होंने एक कार्टून भी सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। जहां उस कार्टून में आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पोशाक पहने हुए सिगरेट पीता हुआ एक शख्स दिखाया गया है। जहां एक आदिवासी युवक बैठा हुआ है, उसके ऊपर पेशाब कर रहा है। आदिवासी समाज के ऊपर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के व्यक्ति को जोड़ना एक सामाजिक अपराध के रूप में देखा गया है। ऐसे में कोतवाली थाना प्रभारी सतीश मिश्रा ने इस पर एफआईआर दर्ज कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम कतरवार के रहने वाले महेंद्र मिश्रा (21) ने नौ जुलाई को आवेदन दिया था। इस पर संज्ञान लेते हुए थाना प्रभारी कोतवाली के निर्देशन में मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

पाकिस्तान नहीं जायेगी भारतीय टीम

» टीम इंडिया को खेलना है एशिया कप

» आईपीएल चेयरमैन धूमल ने दी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहुचर्चित मैच श्रीलंका में होगा क्योंकि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जायेगी। आईपीएल चेयरमैन अरूण धूमल ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। धूमल इस समय डरबन में आईसीसी मुख्य कार्यकारियों की बैठक के लिये गए हैं।

उन्होंने पुष्टि की कि बीसीसीआई सचिव जय शाह और पीसीबी प्रमुख जाका अशरफ की बृहस्पतिवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक से पहले मुलाकात हुई ताकि एशिया कप का कार्यक्रम तय हो सके। धूमल ने कहा ,''हमारे सचिव ने पीसीबी प्रमुख जाका अशरफ से मुलाकात की और एशिया कप के कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया गया। यह उसी के अनुरूप है जिस पर पहले बात की गई थी।

लीग चरण के चार मैच होंगे पाक में

पाकिस्तान में लीग चरण के चार मैच होंगे जिसके बाद नौ मैच श्रीलंका में होंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान का मैच शामिल है। दोनों टीमें फाइनल खेलती हैं तो वह भी श्रीलंका में होगा। उन्होंने पाकिस्तान मीडिया में आ रही इन अटकलों को खारिज किया कि भारतीय टीम पाकिस्तान जायेगी। पाकिस्तान के खेल मंत्री अहसान मजारी के हवाले से ऐसी खबरें आ रही थीं। धूमल ने कहा कि इस तरह की कोई बात नहीं हुई। भारतीय टीम या हमारे सचिव पाकिस्तान नहीं जायेंगे। सिर्फ कार्यक्रम तय किया गया है। भारतीय टीम श्रीलंका के दाम्बुला में पाकिस्तान से खेल सकती है। पाकिस्तान का अपनी धरती पर एकमात्र घरेलू मैच नेपाल के खिलाफ होगा। इनके अलावा पाकिस्तान में अफगानिस्तान बनाम बांग्लादेश, बांग्लादेश बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम अफगानिस्तान मैच होंगे।

कांग्रेस पार्टी ने आज मनाया देशभर में मौन सत्याग्रह

» बोले नेता- बृजभूषण को सुरक्षा और राहुल गांधी को सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भाजपा सरकार राहुल गांधी पर अत्याचार कर रही है। इस आरोप क साथ कांग्रेस पूरे देश में मौन सत्याग्रह कर रही है। यूपी,दिल्ली, मुंबई और महाराष्ट्र में मौन सत्याग्रह कर रही है। वहीं वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाला साहेब थोरात का कहना है कि देश की बेटियों का शोषण करने के आरोपी बृजभूषण सिंह को सुरक्षा और देश के लिए संघर्ष करने वाले राहुल गांधी को सजा!

ये कहां का न्याय है? जनता सब देख

रही है और जनता से अपील है कि अब वो आगे आए। थोरात ने कहा कि पहले शिवसेना फिर एनसीपी को तोड़ा और अब कांग्रेस की बारी है के सवाल पर थोरात ने कहा–जो होगा उसका सामना करेंगे, लेकिन लड़ते रहेंगे। राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार में हो रही देरी पर थोरात ने कहा कि खोखे और आश्वासन देकर विधायकों को साथ में लाया गया है। मंत्री पद सीमित हैं तो वादा पूरा कैसे करेंगे ? झगड़ा तो विभागों को लेकर भी चल रहा है। कांग्रेस पहले तीसरे नंबर की थी अब शिवसेना और एनसीपी के टूटने के बाद अब एमवीए की सबसे बड़ी पार्टी हो गई है, लेकिन आपदा में अवसर का फायदा नहीं उठाने और अभी तक नेता विरोधी दल पद पर नाम नहीं तय कर पाने के सवाल पर थोरात का कहना है कि हमारे ऊपर जिम्मेदारी आती है तो पूरा करेंगे।

पूर्णेश मोदी ने लगायी सुप्रीम कोर्ट से गुहार

» शीर्ष अदालत में दाखिल की कैविएट

» भाजपा नेता ने मोदी सरनेम केस में राहुल के खिलाफ दायर की थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर करने व उन्हें सजा दिलाने वाले भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने सुप्रीम कोर्ट में एक कैविएट दायर की है। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया है कि राहुल गांधी अगर सुप्रीम कोर्ट आएं तो हमारा पक्ष सुने बिना आदेश जारी ना करें। उन्होंने कहा है कि बिना उनके पक्ष को सुने कोई आदेश जारी न किया जाए।

गौरतलब है, गुजरात हाईकोर्ट ने हाल ही में राहुल गांधी की सजा पर रोक की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही सख्त टिप्पणी भी की थी। न्यायमूर्ति हेमंत प्रच्छक ने कहा था कि राहुल के खिलाफ कम से कम 10 आपराधिक मामले लंबित हैं। मौजूदा केस के बाद भी उनके खिलाफ कुछ और केस भी दर्ज हुए। ऐसा ही एक मामला वीर सावरकर के पोते ने दायर किया है। न्यायमूर्ति ने आगे कहा था कि दोषसिद्धि से कोई अन्याय नहीं होगा।

एकतरफा फैसला न सुनाए अदालत

कैविएट याचिका एक तरह का बचाव होता है ताकि कोर्ट किसी मामले में एक पक्षीय फैसला ना सुनाए। सिविल प्रोसीजर के कोड 148 (ए) के तहत कैविएट याचिका फाइल की जाती है। यदि पक्षकार हाजिर नहीं होता है तब कोर्ट ऐसे पक्षकार को एकपक्षीय कर अपना फैसला सुना देता है। सामान्य शब्दों में समझाया जाए तो एक वादी द्वारा कैविएट आवेदन यह सुनिश्चित करने के लिए दायर किया जाता है कि बिना सुने उसके खिलाफ कोई आदेश पारित न किया जाए।

दोषसिद्धि न्यायसंगत एवं उचित है। पहले दिए गए आदेश में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए आवेदन खारिज किया जाता है।

आदिपुरुष मामला पहुंचा उच्चतम न्यायालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट में पेशी के खिलाफ फिल्म आदिपुरुष के निर्माता बुधवार (12 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट पहुंचे. उनके वकील ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का मामला चीफ जस्टिस के सामने रखने की कोशिश की, लेकिन चीफ जस्टिस ने कहा कि वह सुनवाई का अनुरोध कल उनके सामने रखें, दरअसल, हाई कोर्ट ने फिल्म में धार्मिक चरित्रों को गलत तरीके से दिखाने के लिए निर्माता, निर्देशक और संवाद लेखक को 27 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा है।

सीजेआई ने कहा-कल आएं

दरअसल, हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने फिल्म आदिपुरुष के निर्देशक ओम राउत, निर्माता भूषण कुमार, संवाद लेखक मनोज मुंतशिर उर्फ मनोज शुक्ला को तलब किया था और इन सभी को कोर्ट ने 27 जुलाई को अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा. इसके साथ ही हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को फिल्म पर अपना विचार पेश करने के लिए एक समिति के गठन का निर्देश भी दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 27 जुलाई को पेश होने का दिया आदेश

इससे पहले फिल्म आदिपुरुष को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की थी। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह की अवकाशकालीन पीठ ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करने वाली दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई की। ये याचिकाएं कुलदीप तिवारी और नवीन धवन की ओर से कोर्ट में दाखिल की गई है, इन याचिकाओं में धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए फिल्म को बैन करने की मांग की गई। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिल्म को बनाते समय जनभावनाओं का ख्याल नहीं रखा गया है, जिसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्देशक ओम राउत, निर्माता भूषण कुमार, संवाद लेखक मनोज मुंतशिर को 27 जुलाई को उसके सामने पेश होने का आदेश दिया।

अफजाल को 24 जुलाई को सजा सुनाएगी कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के सांसद रहे अफजाल अंसारी की सजा के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोर्ट अब इस मामले में 24 जुलाई को अपना फैसला सुनाएगी।

मामला गैंगस्टर एक्ट से जुड़ा हुआ है। अफजाल अंसारी के छोटे भाई माफिया मुख्तार अंसारी को गाजीपुर जिला अदालत ने सजा सुनाई थी। अफजाल भी उसमें सह आरोपी बनाया गया था। जिला अदालत ने अफजाल को चार साल की सजा सुनाई है। अफजाल अंसारी ने गाजीपुर जिला अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जिस पर बुधवार को सुनवाई पूरी का कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया।

चंद्रयान-3 लॉन्चिंग को तैयार

» शुक्रवार को भेजा जाएगा अंतरिक्ष यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इसरो शुक्रवार को होने वाली चंद्रयान तीन की लॉन्चिंग के लिए अपनी तैयारियों को आखिरी रूप देने में लगा है। अंतरिक्ष यान अधिक ईंधन, कई असफल-सुरक्षित उपायों और चंद्रयान -2 की तुलना में बड़े लैंडिंग साइट से भरा हुआ है। इस बार इसरो को पूरा विश्वास है कि वो चंद्रयान को इस बार चंद्रमा पर सफलतापूर्वक लैंडिंग कराने में सफल रहेंग।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च होने वाला चंद्रयान-3, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत को चंद्रमा की सतह पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला चौथा देश बना देगा। इसरो के मुताबिक, चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान शुक्रवार को लॉन्चिंग के करीब एक महीने बाद चंद्रमा की कक्षा में पहुंचेगा। लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान के 23 अगस्त को चंद्रमा पर उतरने की उम्मीद है।

चुनौतियों से निपटना आसान नहीं

चंद्रमा पर सुरक्षित लैंडिंग ही सबसे बड़ी चुनौती है। जुलाई 2019 में, चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यान, चंद्रयान -2 को उतारने के भारत के पिछले प्रयास को एक बड़ा झटका उस वक्त लगा था जब विक्रम लैंडर चंद्रमा की सतह पर उतरने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। ऐसे में इस बार किसी तरह की कोई गड़बड़ी ना इसे ध्यान में रखते हुए इसरो ने चंद्रयान-3 को अधिक ईंधन के साथ डिजाइन किया गया है, जो इसे दूर तक यात्रा करने, डिस्पर्सन को संभालने या यदि आवश्यक हो तो वैकल्पिक लैंडिंग साइट पर जाने की क्षमता भी प्रदान करेगा। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि हमने बहुत सारी विफलताएं देखीं हैं, इनमें सेंसर विफलता, इंजन विफलता, एल्गोरिदम विफलता, गणना विफलताएं खास तौर पर शामिल हैं, इसलिए, चाहे जो भी विफलता हो, हम चाहते हैं कि यह आवश्यक गति पर लैंड करे, हमने इस बार हर बारीकी पर काम किया है. ताकि किसी वजह से इस बार के मिशन में कोई कसर ना छूट जाए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।